Public Health and Hygiene
Unit II

E content
Pankaj Chhabra
Principal, ML &JNK Girls college, Saharanpur

सरकारी स्वास्थय सेवाओं के प्रमुख कार्य

जनस्वास्थय सेवाओं के अन्तर्गत–

- सम्पूर्ण जनसमुदाय को स्वास्थय सम्बन्धी एंव कल्याणकारी सेवाएं उपलब्ध होती है।
- उनके स्वास्थय की सुरक्षा एंव उनमें संक्रमणजनित बीमारियों को रोकने एंव पर्यावरण सम्बन्धी खतरों को बचाने का कार्य किया जाता है।
- ट्यूबरकुलोसिस, पोलियो, मलेरिया, ज्वाइनडिस, डेंगू, चिकनगुनियां आदि बीमारियों की रोकथाम के कार्य करना
- सामुदायिक रूप से लोगों में जनजागरूकता एवं बीमारियों के प्रति शिक्षित करना, लोगों को सशक्त करना
- जनजागरूकता एवं सहायता के लिए लोगों को एकत्र करना,
- नियम, कानून को बनाना, नियमों को लागू करना

सरकारी स्वास्थय सेवाओं के प्रमुख कार्य

- स्वास्थय परीक्षण करना एंव स्वास्थय को monitor करना
- अस्पतालों एवं जनस्वास्थय को स्थापित करना
- स्वास्थय सेवाओं को संगठित करना
- स्वास्थय सम्बन्धी वैज्ञानिक अनुसंधान को बढावा देना
- बीमार व्यक्तियों हेतू उनके व्यवसाय के अनुसार उचित प्रशासन उपलब्ध कराना |
- जनस्वास्थय हेतू उचित पोषण, स्वच्छ जल, स्वच्छता, मां एंव शिशु के स्वास्थय की देखभाल, टीकाकरण, स्थानीय बीमारियों की रोकथाम एंव नियन्त्रण, दवाईयों एंव उपचार, नर्सिंग आदि को उपलब्ध कराना
- संक्रामक रोगों से लड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रोग्राम चलाना

प्राइवेट स्वास्थय सेवाओं के प्रमुख कार्य

- स्वास्थय सेवाओं के क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा संगठित होकर जो सेवाएं जनस्वास्थय हेतू दी जाती है उसे प्राइवेट सेक्टर कहा जाता है। इन सेवाओं पर सरकार का सीधा नियंन्त्रण नहीं होता है। भारत में इसका महत्व एंव कार्य निम्न है–
- आज भारत में 70 प्रतिशत से अधिक अस्पताल, 60 प्रतिशत से अधिक डिस्पेन्सरी, 80 प्रतिशत आउटपेशेन्ट सुविधा, अस्पतालों में 65 प्रतिशत बेडकेयर में प्राइवेट हेल्थ केयर सेक्टर कार्य कर रहा है।
- मेडिकल शिक्षा एंव टेनिंग, टेक्नोलॉजी, मेडिकल जांच परीक्षण, संसाधनों उपकरणों का निर्माण, फार्मास्यूटिकल अर्थात दवाओं का निर्माण, मेडिकल सुविधाओं को प्रदान करना आदि कार्य भी प्राइवेट हेल्थ केयर सेक्टर कर रहा है।

NGO के कार्य

- **NGO प्रदान करते हैं**–

 1. किसी विशेष बीमारी अथवा सामाजिक रूप से पिछड़े बीमार व्यक्तियो की सहायता हेतू उन्हें मैन्यूल सहायता प्रदान करना, उनकी बात सुनना, उनके प्रति सहानुभूति रखना आदि।

 2. ये एक धार्मिक एंव चेरीटेबल समूह होते है जो विकास के लिए अपना एक प्राइवेट फंड जुटाकर अपना एक फंड रखते है। सामाजिक संगठनों जैसे महिला समूहों, सामुदायिक संघों आदि के सहयोग से भोजन वितरण का कार्य, शारीरिक, मानसिक एंव सामाजिक स्वास्थय, क्रॉनिक बीमारी की स्थिति में आर्थिक सहयोग प्रदान करना एंव अन्य सरकारी एंव प्राइवेट स्वास्थय सेवाओं में सहयोग प्रदान करना इनके प्रमुख कार्य है।

Govt Plans and Policies in India

- स्वास्थय से सम्बन्धित पॉलिसी किसी भी स्वास्थय क्षेत्र में सुधार के लिए बनायी जाती है। राष्टीय स्वास्थय नीति के 6 उद्देश्य, 25 नीतियां, और 146 रणनीतियां हैं–
- वर्तमान में सरकार की निम्न पॉलिसी हैल्थ सेक्टर में कार्य कर रही है–

1. राष्टीय हैल्थ पॉलिसी (1983)–के अनुसार भारत में सभी सुदूर क्षेत्रों में निवास करने वालों को प्राथमिक स्वास्थय सेवाएं 2000 तक मुहैया हो जायेंगी।
2. राष्टीय हैल्थ पॉलिसी (2017)–के अनुसार भारत में सभी को व्यापक एकीकृत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थय सेवाएं, जिसमें नई बिमारियों के प्रति ध्यान देना एंव स्वास्थ्य सम्बन्धी देखभाल को बढ़ावा देना आदि किया जाना शामिल है।
3. राष्टीय हैल्थ पॉलिसी (2020)–के अनुसार भारत में प्रत्येक आयु वर्ग एंव लिंग को बेहतर स्वास्थय सेवाएं प्रदान करना है।

Govt Plans and Policies in India

- भारत में वर्तमान में निम्न स्वास्थय स्कीमें लागू की जा रही है–

आयुष्मान भारत–यह स्वास्थय एंव परिवार कल्याण के अन्तर्गत भारत सरकार की एक सार्वभौमिक स्वास्थय बीमा योजना है।यह 2018 में लागू की गई थी। इसमें प्रति वर्ष 10. 74 करोड़ गरीब लोगों को प्रति वर्ष 5.0 लाख का स्वास्थय कवर लागू है।इसमें चार स्कीम प्रमुख हैं–हैल्थ एंव वेलनेस सेन्टर , प्रधानमन्त्री ़'जन आरोग्य स्कीम, फ्री डग एंव डायग्नोस्टिक सर्विस की पहल एंव प्रधानमन्त्री स्वास्थय इन्फ्रास्टक्चर मिशन (नये मेडिकल कालेज का निर्माण होना)

राष्टीय स्वास्थय बीमा योजना'–यह सरकार के द्वारा चलाई जाने वाली स्वास्थय बीमा योजना है। यह भारत के कमजोर लोगों के लिए हैं।यह स्वास्थय बीमा कवरेज कमजोर लोगों के लिए है।यह मजदूर वर्ग एंव असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों के लिए है।

Govt Plans and Policies in India

- **स्वच्छ भारत मिशन**–भारत सरकार द्वारा 2009 में निर्मल भारत अभियान शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य खुले स्थान पर मलत्याग की पारम्परिक प्रथा को पूरी तरह समाप्त करना है। 2 अक्तूबर 2014 में स्वच्छ भारत मिशन व्यापक तौर पर देश भर में राष्टीय आन्दोलन के रूप में शुरू किया गया था।इसका उद्देश्य भारत को स्वच्छ कचरामुक्त बनाकर बीमारियां पर नियन्त्रण करना था।
- **जलशक्ति अभियान 2022–यह** 22 मार्च 2021 में लागू किया गया। 21 मार्च 2022 से 30 नवम्बर 2022 तक जलशक्ति अभियान के अन्तर्गत कैच द रेन अभियान चल रहा है।

Health Expenditure in India

भारतीय संविधान में सरकार का प्रथम दायित्व कि वह सभी लोगों के कल्याण हेतू हेल्थ केयर सुविधाओं को प्रदान करे। अतः वह अपने राजस्व से कुछ हिस्सा हेल्थ केयर सुविधा के लिए करती है। यदि सरकारी राजस्व हेल्थ केयर सुविधाओं के लिए कम हो जाता है तो सरकार को अन्य मदों से उधार लेकर भी करना पड़ता है। सरकार को कुल जीडीपी का 3 प्रतिशत स्वास्थय सेवाओं पर खर्च किया जाने का प्रावधान करना एक प्रचलित मानक है। इकोनोमिक सर्वे 2021 ने संस्तुति की है कि मौजूदा 2 प्रतिशत (2022) खर्चा से बढ़कर हेल्थ केयर पर सरकारी खर्च 3 प्रतिशत होना आवश्यक है। लेकिन 2025 के लिए भविष्यवाणी की जा सकती है कि वह 2.5 संभवतः हो सके।

Health expenditure in India

स्वास्थ्य सेवाओं द्वारा सरकारी खर्च निम्न प्रावधानों हेतू किया जाता है–

1. परिवार नियोजन
2. पोषण सम्बन्धी क्रिया कलाप
3. स्वास्थ्य सम्बन्धी आपात कालीन सेवाओं हेतू
4. प्रत्येक प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च
5.

Health Expenditure in India

- सन 2017–18 में स्वास्थय पर कुल खर्चा 5,66,644 करोड रहा। सरकारी खर्चा 231,104 करोड रहा।
- सन 2018–19 में स्वास्थय पर कुल खर्चा 5,96,440 करोड रहा। सरकारी खर्चा 242,219 करोड रहा। यह कुल जी डी पी का 1.28 प्रतिशत एंव प्रति व्यक्ति 1,815 था।

World Health Organization

स्वास्थय के क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट की विशेष ऐजेन्सी विश्व स्वास्थय संगठन (WHO) की 1948 में स्थापना हुई थी जिसका मुख्यालय जेनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है इसके 150 देशों में कार्यालय होने के साथ–साथ 6 क्षेत्रीय कार्यालय हैं जो अफ्रीका, अमेरिका, साउथ ईस्ट ऐशिया, यूरोप, ईस्ट मेडिटेरियन एंव वैस्ट पेसिफिक में है। सभी देशो के कार्यालय सम्बन्धित देश की सरकार को विश्व स्वास्थय मामलों पर तकनीकि सहायता प्रदान करते है। तथा प्रासंगिक वैश्विक मानकों और दिशा निर्देशों को साझा करते है। तथा सरकार के अनुरोधों एंव आवश्यक मांगों को WHO तथा अन्य स्तरों तक पहुचाते हैं तथा देश में स्थित अन्य संयुक्त राष्ट ऐजेन्सियो के कार्यालयों को सार्वजनिक स्वास्थय पर सलाह एंव मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

WHO अन्तर्राष्टीय स्तर पर जनस्वास्थय का कार्य करता है। इसके द्वारा निम्न कार्य किये गये हैं–

- चेचक का वैश्विक उन्मूलन,
- क्षय रोग को नियन्त्रित करने के बेहतर एंव सस्ते तरीकों का प्रकार पर कार्य
- डिफथीरिया, खसरा, पोलियो, माइलाइटिस,टिटनस, क्षय रोग एंव काली खांसी की रोकथाम टीकाकरण से प्रभावी होती है, इस बारे में जागरूकता अभियान

Global Health Council

- ग्लोबल हैल्थ कांउन्सिल एक अग्रणी सदस्य संगठन है जो अधिवक्ताओं, कार्यान्वयन कर्ताओ, नीति निर्माताओं और अन्य हित धारकों को एकजुट करके वैश्विक स्वास्थय प्राथमिकताओं को आगे बढाने के लिए समर्पित है। इसका मुख्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका के वाशिगटन में स्थित हैं। यह 1972 से स्थापित है। यह हेल्थ परिषद विश्व की सबसे बड़ी सदस्यता वाली परिषद है जिसमें 150 देशों के स्वास्थय से सम्बन्धित हजारों प्रोफेशनल्स हैं जिनमें समाजसेवी, हैल्थ की शिक्षाओं को बढ़ाने वाले, इंजीनियरस, मार्केटिंग एंव जर्नेलिस्म, जो सम्पूर्ण विश्व में लोगों के स्वास्थय में सुधार के लिए पॉलिसी एंव प्रोग्राम को आगे बढाने का कार्य करते हैं। स्वास्थय पर खर्च किये जाने योग्य धन को बढ़ाने एंव अच्छी पॉलिसी को बनाने के लिए ये एक जुट रहते है। वैश्विक स्वास्थय को आगे बढाने के लिए पिछले 50 सालों में निम्न कार्य किये है–
- वैश्विक स्वास्थय सुरक्षा
- स्वास्थय में हिस्सेदारी
- मजबूत द्विपक्षीय एंव बहुपक्षीय स्वास्थय सम्बन्धी संस्थानो को बढाने जैसे मुद्दों को उठाना
- रिसर्च एंव विकास
- प्रजनन स्वास्थय

International AIDS vaccine

- अन्तर्राष्ट्रीय एड्स वैक्सीन पहल की स्थापना 1996 में अमेरिकी चिकित्सा महामारी विज्ञानी सेठ बर्कले द्वारा निवारक एड्स टीकों के विकास और वैश्विक वितरण में तेजी लाने के मिशन के साथ की गयी थी। इसका हैड क्वार्टर संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयार्क में था। इसके CEO मार्क फिनबर्ग, 348 कर्मी, स्थान–ला जोला कैलीफोर्निया में था। एड्स वैक्सीन पहल का उद्देश्य एंटीबॉडी उत्पन्न करना है जो एच आई वी के Gp120 से जुड़ता है जब यह सक्रंमणशील अवस्था में होता है, अतत:यह ccr5 से लगाव को रोकता है,संक्रमण प्रक्रिया को समाप्त करता है। टीके के विकास का नेतृत्व जार्ज लेविस कर रहे थे जिनकी टीम में ऐंटोनियों डीविको और टिमोथी फाउट्स शामिल है।

Malaria vaccine Initiative

- मलेरिया वैक्सीन की पहल WHO के नेतृत्व में एक वैश्विक पहल थी। जिसका उद्‌देश्य प्लास्मोडियम फालसीपेरम एंव प्लास्मोडियम वाइवेक्स मलेरिया की बीमारी को रोकने, मलेरिया को फैलने से रोकने एंव मलेरिया से होने वाली मृत्यु को रोकने के लिए एक सुरक्षित एंव प्रभावी वैक्सीन का लाइसेंस होने की आवश्यकता थी। इस वैक्सीन को फंड करने वाले ग्रुप ने सर्वप्रथम 2006 में वैक्सीन का रोडमैप तैयार किया और 2013 में उसे अपडेट किया। 2015 में प्रथम जेनेरेशन वैक्सीन का लाइसेंस हुआ। यह वैक्सीन गंभीर बिमारी हो जाने पर मृत्यु को 50 प्रतिशत तक रोक सकती थी। 2030 तक का रोडमैप 75 प्रतिशत तक प्रभाव देने का था।
- SPf66 एक सिथेंटिक पेपटाइड आधारित वैक्सीन है जिसे कोलंबिया में मैनयुल एकलिन पटारियो टीम द्वारा विकसित किया गया था। और 1990 के दशक में स्थानिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर परीक्षण किया गया था।
- R21/Matrics M malaria वैक्सीन प्लास्मोडियम फालसीपेरम मलेरिया को रोकने के लिए दी जाती है। यह भारत के सीरम संस्थान में जो विश्व का सबसे बड़ा वैक्सीन बनाने वाला संस्थान है।
- RTS,S नामक वैक्सीन प्रथम, प्रभावी एंव सुरक्षित मानक प्रोफाइल युक्त है। वर्तमान में इसे प्लास्मोडियम फालसीपेरम मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग मे लाया जाता है।